

Chapter-5

उषा

Exercise 5.1

1 Mark Questions

1. प्रश्न: उषा के बारे में एक संक्षेप में लिखें।

उत्तर: उषा एक हिंदी कहानी है जो गिरिजाकुमार माथुर के द्वारा लिखी गई है। इसमें एक युवती के जीवन की कठिनाईयों, संघर्षों, और साहस की कहानी है।

2. प्रश्न: उषा के प्रमुख पात्र कौन हैं और उनका चरित्र विवरण क्या है?

उत्तर: प्रमुख पात्रों में उषा, रानी मृगनयनी, और प्रभात हैं। उषा एक साहसी और संघर्षशील युवती है जो अपने जीवन के माध्यम से समस्याओं का सामना करती है।

3. प्रश्न: उषा का कहानी में साहित्यिक उपकरण कौनकौन से हैं?

उत्तर: उषा की कहानी में लेखक ने साहित्यिक उपकरणों का सुविवेचन किया है, जैसे कि अलंकार, उपमेय, और रस। इन उपकरणों का प्रयोग कहानी को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए किया गया है।

4. प्रश्न: उषा का काल सामाजिक परिवर्तनों के साथ कैसे जुड़ा है?

उत्तर: उषा का काल सामाजिक परिवर्तनों के साथ गहरा रूप से जुड़ा है। कहानी में समाज में हो रहे बदलाव, जाति व्यवस्था, और स्त्री के स्थान को लेकर उठे सवालों को प्रस्तुत किया गया है।

5. प्रश्न: उषा का संदेश क्या है?

उत्तर: उषा का संदेश है कि साहस, संघर्ष, और सहास के माध्यम से हम अपनी समस्याओं का सामना कर सकते हैं और समाज में परिवर्तन ला सकते हैं।

6. प्रश्न: उषा के किस पहलुओं से व्यक्ति और समाज में परिवर्तन होता है?

उत्तर: उषा के कार्यों और उसके संघर्षों के कारण वह अपने आत्मा की खोज में निकलती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तनों का स्रोत बनती है।

7. प्रश्न: उषा नाटक का स्वरूप क्या है और इसमें कौनकौन से चरित्र हैं?

उत्तर: "उषा" एक नाटक है जिसमें प्रमुख चरित्र हैं उषा, रानी मृगनयनी, और प्रभात। इन चरित्रों के माध्यम से कहानी का विकास होता है।

8. प्रश्न: उषा की कहानी में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण कैसे प्रकट होता है?

उत्तर: उषा की कहानी में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से समाज में हो रहे पर

Exercise 5.2

2 Mark Questions

1. प्रश्न: उषा कहानी में प्रमुख घटनाएँ और स्थान का विवरण करें।

उत्तर: उषा कहानी गिरिजाकुमार माथुर की रचना है जो एक राजा की सेविका उषा की कहानी है। यह कहानी राजमहल के एक छोटे से कमरे में होती है, जहाँ उषा अपने संघर्षों और परिवर्तनों का सामना करती है। यहां वह अपने आत्मपरिचय की खोज में निकलती है।

2. प्रश्न: उषा के चरित्र में समाज में हो रहे परिवर्तन का कैसे संकेत है?

उत्तर: उषा का चरित्र समाज में हो रहे परिवर्तन का संकेत है। उसकी साहसी और आत्मसमर्पण भरी कहानी से समाज में स्त्री के स्थान, समाजिक मान्यता, और स्वतंत्रता के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित है।

3. प्रश्न: उषा की कहानी में विशेष रूप से कौनकौन से साहित्यिक उपकरण प्रयुक्त हैं?

उत्तर: उषा की कहानी में विशेष रूप से अलंकार, रस, और उपमेय जैसे साहित्यिक उपकरण प्रयुक्त हैं। इन उपकरणों का प्रयोग कहानी को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए किया गया है।

4. प्रश्न: उषा के चरित्र की विशेषताएँ और उसके विकास की प्रक्रिया पर चर्चा करें।

उत्तर: उषा का चरित्र एक साहसी, उत्साही, और समर्थ स्त्री का प्रतीक है। उसकी प्रकृति में समर्पण और आत्मपरिचय की खोज में निकलने की कहानी है।

5. प्रश्न: उषा के कार्यों के माध्यम से कैसे सामाजिक सुधार होता है?

उत्तर: उषा के कार्यों के माध्यम से सामाजिक सुधार होता है क्योंकि उसकी साहसी कदमों ने स्त्री को नए समाज में एक सकारात्मक रूप से स्थान बनाने में मदद की है।

6. प्रश्न: उषा की कहानी से कौनकौन सी सीखें निकाली जा सकती हैं?

उत्तर: उषा की कहानी से हमें साहस, स्वतंत्रता, और समर्पण की सीखें मिलती हैं। इसके माध्यम से समाज में हो रहे समस्याओं का सामना करने का तरीका और स्त्री के स्थान को मजबूती से साबित करने का संदेश आता है।

7. प्रश्न: उषा की कहानी को समाज में कैसे प्रस्तुत किया गया है?

उत्तर: उषा की कहानी में समाज में हो रहे परिवर्तनों, जाति व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने, और स्त्री को समाज में मजबूत बनाने के संदेश को सुंदरता से प्रस्तुत किया गया है।

8. प्रश्न: उषा की कहानी का साहित्यिक महत्व क्या है?

उत्तर: उषा की कहानी समाजशास्त्रीय, साहित्यिक, और मानवता के मुद्दों पर चिंतन करने के लिए महत्वपूर्ण है। इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा मिलती है और साहित्यिक दृष्टिकोण से व्यापक चर्चा होती है।

Exercise 5.3

4 Marks Questions

प्रश्न 1. कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील अथवा

उत्तर: कवि ने गाँव की सुबह का सुंदर चित्रण करने के लिए गतिशील बिंबयोजना की है। भोर के समय आकाश नीले शंख की तरह पवित्र लगता है। उसे राख से लिपे चौके के समान बताया गया है जो सुबह की नमी के कारण गीला लगता है। फिर वह लाल केसर से धोए हुए सिलसा लगता है। कवि दूसरी उपमा स्लेट पर लाल खड़िया मलने से देता है। ये सारे उपमान ग्रामीण परिवेश से संबंधित हैं। आकाश के नीलेपन में जब सूर्य प्रकट होता है तो ऐसा लगता है जैसे नीले जल में किसी युवती का गोरा शरीर झिलमिला रहा है। सूर्य के उदय होते ही उषा का जादू समाप्त हो जाता है। ये सभी दृश्य एकदूसरे से जुड़े हुए हैं। इनमें गतिशीलता है।

प्रश्न 2. कवि को सुबह का आकाश मटमैला क्यों दिखाई देता है?

उत्तर: कवि ने सुबह के आकाश के लिए राख से लिपे हुए चौके का उपमान दिया है। जिस प्रकार गीला चौका मटमैला और साफ़ होता है।

प्रश्न 3. कवि ने किस जादू के टूटने का वर्णन किया है?

उत्तर: कवि ने नए-नए उपमानों के द्वारा सूर्योदय का सुंदर वर्णन किया है। ये उपमान सूर्य के उदय होने में सहायक हैं। कवि ने इनका प्रयोग गतिशीलता के लिए किया है। सूर्योदय होते ही यह जादू टूट जाता है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश का भावसौंदर्य बताइए – बहुत काली सिर जरा से लाल केसर सेकि जैसे धुल गई हो।

उत्तर: कवि कहता है कि जिस प्रकार ज्यादा काली सिर अर्थात् पत्थर पर थोड़ासा केसर डाल देने से वह धुल जाती है अर्थात् उसका कालापन खत्म हो जाता है, ठीक उसी प्रकार काली सिर को किरण रूपी केसर धो देता है अर्थात् सूर्योदय होते ही हर वस्तु चमकने लगती है।

प्रश्न 5. 'उषा' कविता के आधार पर सूर्योदय से ठीक पहले के प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण कीजिए।

उत्तर: कवि को सुबह का आकाश ऐसा लगता है कि मानो चौका राख से लीपा गया हो तथा वह अभी गीला हो। जिस तरह गीला चौका स्वच्छ होता है, उसी प्रकार सुबह का आकाश भी स्वच्छ होता है, उसमें प्रदूषण नहीं होता।

प्रश्न 6. 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

उत्तर: 'उषा' कविता में प्रातःकालीन नभ की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की है। इस समय आकाश नम तथा धुंधला होता है। इसका रंग राख से लिपे चूल्हे जैसा मटमैला होता है। जिस प्रकार चूल्हा चौका सूखकर साफ़ हो जाता है, उसी प्रकार कुछ देर बाद आकाश भी स्वच्छ एवं निर्मल हो जाता है।

Exercise 5.4

Summary

"उषा" की कहानी राजमहल के एक छोटे से कमरे में होती है, जहां राजा की सेविका उषा निवास करती है। उषा का चरित्र एक साहसी और स्वतंत्रता पसंद स्त्री को दर्शाता है जो समाज में हो रहे परिवर्तनों के लिए आवाज उठाती है। उसकी कहानी में समाज में स्त्री के स्थान, सामाजिक मान्यता, और स्वतंत्रता के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित है।

1. उषा की आत्मपरिचय: उषा अपने आत्मपरिचय की खोज में निकलती है और वह एक स्वतंत्र और साहसी स्त्री बनती है।
2. समाज में स्त्री के स्थान पर परिवर्तन: उषा की साहसी कदमों ने समाज में स्त्री के स्थान को मजबूत करने के लिए संघर्ष किया।
3. सामाजिक सुधार: उषा के कार्यों से सामाजिक सुधार होता है, और वह एक सकारात्मक संदेश लाती है कि स्त्री को समाज में उच्च स्थान मिलना चाहिए।
4. प्रेरणादायक संदेश: "उषा" की कहानी एक प्रेरणादायक संदेश लेकर आती है कि सही और सच्ची दिशा में आगे बढ़ने के लिए हमें समाज में बदलाव लाना चाहिए।

गिरिजाकुमार माथुर ने इस कहानी के माध्यम से उषा के चरित्र के माध्यम से समाज में हो रहे परिवर्तन और स्त्री के महत्व को उजागर किया है।